**To construct a bridge**

**\*18** **Sh. SITA RAM YADAV (Ateli):**

 Will the Environment, Forests & Wildlife Minister be pleased to state:-

a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on Ateli to Bahrod road in village Kanti passing through 800 metre area of reserved forest so that the common men may not face any problem during transmigration and the animal may also easily move under the bridge; and

b) if so, the time by which it is likely to be constructed?

**Reply: Kanwar Pal, Forest & Wildlife Minister**

a) No sir. There is no such proposal under consideration.

b) Does not arise in view of reply to a) above.

**NOTE FOR PAD**

 225 Acres land of village Kanti, Tehsil- Ateli, District-Mahendergarh were notified as Reserve Forest vide Government of Haryana notification no. SO.114/CA.16/27/S.20/72 Dated 07.07.1972. It is situated in Mahendergarh District near Rajasthan border. The climatic condition of the area is typically xerophytic, The rainfall is scanty and the water table is very low which makes conditions for the plants to grow and survive difficult.

 At present, the constituent species of the Reserve Forest are Vilayati Babool, Pahari Papri, Khairi, Neem, Pilkhan, Shisham etc. This Reserve Forest is also habitat for various wild animal species like Nilgai, Jackal and Rabbit which are in good number. Besides, there are numerous species of birds & reptiles.

 Plantations have been raised in the past. 4000 number plants were planted in the Compensatory afforestation scheme in the year 2016-17. The planted species comprised of Neem, Pilkhan, Shisham, Pahari papri and Jamun.

 During current year, plantation has been undertaken in the area and about 3500 plants of different species like Bargad, Pipal, Neem, Papri and Karonda have been planted.

 There is no proposal right now for construction of any overbridge.

**एक पुल का निर्माण करने के लिए**

**\*18**  **श्री सीता राम यादव (अटेली):**

 क्या पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री कृपया बताएंगे किः

 (क) क्या गांव कांटी में आरक्षित वन के 800 मीटर क्षेत्र से गुजरने वाले अटेली से बहरोड़ मार्ग पर पुल बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ताकि आमजन को आवागमन के दौरान किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े तथा जानवर पुल के नीचे से आसानी से इधर-उधर जा सके; तथा

(ख) यदि हां, तो इसके कब तक निर्मित किए जाने की सम्भावना है?

**उत्तर : कंवर पाल, वन एवं वन्य जीव मंत्री**

(क) नहीं श्रीमान जी। वन विभाग के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ख) उपरोक्त (क) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए कोई प्रश्न नहीं उठता।

  **नोट फॉर पैड**

 गांव कांटी, तहसील-अटेली, जिला-महेंद्रगढ़ की 225 एकड़ भूमि को हरियाणा सरकार की अधिसूचना संख्या एस.ओ.114/सी.ए.16/27/एस.20/72 दिनांक 07.07.1972 के तहत आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित किया गया था। यह भू-स्थल महेंद्रगढ़ जिले में स्थित है। क्षेत्र की जलवायु स्थिति आम तौर पर शुष्क है और जलस्तर बहुत कम है, जिसके चलते पौधों की सफलता पर प्रभाव पड़ता है।

 वर्तमान में इस आरक्षित वन में विलायती बबूल (मस्कट), पहाड़ी पापड़ी, खैरी, नीम, पिलखन व शीशम आदि वृक्षों की प्रजातियां हैं। यह आरक्षित वन नीलगाय, सियार और खरगोश जैसी विभिन्न जंगली जानवरों की प्रजातियों का निवास स्थान भी है। इसके अलावा यहाँ पक्षियों की व् सरीसृपों की कई प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं।

 इस क्षेत्र में पूर्व में वृक्षारोपण किया गया है। वर्ष 2016-17 में प्रतिपूरक वनीकरण योजना के तहत 4000 पौधे लगाए गए। रोपित प्रजातियों में नीम, पिलखन, शीशम, पहाड़ी पापड़ी और जामुन शामिल हैं।

 वर्ष 2023-24 के दौरान भी इस क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया है। इस वर्ष इस क्षेत्र में बरगद, पीपल, नीम, पापड़ी और करौंदा जैसी विभिन्न प्रजातियों के लगभग 3500 पौधे लगाए गए हैं।

 अभी यह ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।